Prepp

Practice, Learn and Achieve Your Goal with Prepp

UGC NET Exam

Prakrit

Simplifying **Government Exams**

SSC CHSL | IAS EXAM | RRB NTPC | NTSE | CDS

SSC CGL | CBSE UGC NET | IBPS PO | NDA

SBI PO | IBPS CLERK | AFCAT | SSC JE | CTET

CSIR UGC NET | CAPF | IBPS RRB

www.prepp.in

PAPER-II
PRAKRIT

Signature and Name of Invigilator

1. (Signature) ___________________________

(Name) ___________________________

2. (Signature) ___________________________

(Name) ___________________________

OMR Sheet No. : ....

(To be filled by the Candidate)

Roll No. | | | | | | | | |

(In figures as per admission card)

Roll No.___________________________________

(In words)

J 9 1 1 4

Time : $1\ ^1/_4$ hours] [Maximum Marks : **100**

Number of Pages in this Booklet : **8** Number of Questions in this Booklet : **50**

Instructions for the Candidates

1. Write your roll number in the space provided on the top of this page.
2. This paper consists of fifty multiple-choice type of questions.
3. At the commencement of examination, the question booklet will be given to you. In the first 5 minutes, you are requested to open the booklet and compulsorily examine it as below :
   (i) To have access to the Question Booklet, tear off the paper seal on the edge of this cover page. Do not accept a booklet without sticker-seal and do not accept an open booklet.
   (ii) **Tally the number of pages and number of questions in the booklet with the information printed on the cover page. Faulty booklets due to pages/questions missing or duplicate or not in serial order or any other discrepancy should be got replaced immediately by a correct booklet from the invigilator within the period of 5 minutes. Afterwards, neither the Question Booklet will be replaced nor any extra time will be given.**
   (iii) After this verification is over, the OMR Sheet Number should be entered on this Test Booklet.
4. Each item has four alternative responses marked (A), (B), (C) and (D). You have to darken the circle as indicated below on the correct response against each item.
   Example : (A) (B) ● (D)
   where (C) is the correct response.
5. Your responses to the items are to be indicated in the **OMR Sheet given inside the Paper I Booklet only.** If you mark at any place other than in the circle in the OMR Sheet, it will not be evaluated.
6. Read instructions given inside carefully.
7. Rough Work is to be done in the end of this booklet.
8. If you write your Name, Roll Number, Phone Number or put any mark on any part of the OMR Sheet, except for the space allotted for the relevant entries, which may disclose your identity, or use abusive language or employ any other unfair means such as change of response by scratching or using white fluid, you will render yourself liable to disqualification.
9. You have to return the test question booklet and Original OMR Sheet to the invigilators at the end of the examination compulsorily and must not carry it with you outside the Examination Hall. You are, however, allowed to carry original question booklet and duplicate copy of OMR Sheet on conclusion of examination.
10. **Use only Blue/Black Ball point pen.**
11. **Use of any calculator or log table etc., is prohibited.**
12. **There is no negative marks for incorrect answers.**

परीक्षार्थियों के लिए निर्देश

1. इस पृष्ठ के ऊपर नियत स्थान पर अपना रोल नम्बर लिखिए ।
2. इस प्रश्न-पत्र में पचास बहुविकल्पीय प्रश्न हैं ।
3. परीक्षा प्रारम्भ होने पर, प्रश्न-पुस्तिका आपको दे दी जायेगी । पहले पाँच मिनट आपको प्रश्न-पुस्तिका खोलने तथा उसकी निम्नलिखित जाँच के लिए दिये जायेंगे, जिसकी जाँच आपको अवश्य करनी है :
   (i) प्रश्न-पुस्तिका खोलने के लिए उसके कवर पेज पर लगी कागज की सील को फाड़ लें । खुली हुई या बिना स्टीकर-सील की पुस्तिका स्वीकार न करें ।
   (ii) **कवर पृष्ठ पर छपे निर्देशानुसार प्रश्न-पुस्तिका के पृष्ठ तथा प्रश्नों की संख्या को अच्छी तरह चैक कर लें कि ये पूरे हैं । दोषपूर्ण पुस्तिका जिनमें पृष्ठ/प्रश्न कम हों या दुबारा आ गये हों या सीरियल में न हों अर्थात् किसी भी प्रकार की त्रुटिपूर्ण पुस्तिका स्वीकार न करें तथा उसी समय उसे लौटाकर उसके स्थान पर दूसरी सही प्रश्न-पुस्तिका ले लें । इसके लिए आपको पाँच मिनट दिये जायेंगे । उसके बाद न तो आपकी प्रश्न-पुस्तिका वापस ली जायेगी और न ही आपको अतिरिक्त समय दिया जायेगा ।**
   (iii) इस जाँच के बाद OMR पत्रक की क्रम संख्या इस प्रश्न-पुस्तिका पर अंकित कर दें ।
4. प्रत्येक प्रश्न के लिए चार उत्तर विकल्प (A), (B), (C) तथा (D) दिये गये हैं । आपको सही उत्तर के वृत्त को पेन से भरकर काला करना है जैसा कि नीचे दिखाया गया है ।
   उदाहरण : (A) (B) ● (D)
   जबकि (C) सही उत्तर है ।
5. प्रश्नों के उत्तर **केवल प्रश्न पत्र I के अन्दर दिये गये OMR पत्रक पर ही** अंकित करने हैं । यदि आप OMR पत्रक पर दिये गये वृत्त के अलावा किसी अन्य स्थान पर उत्तर चिह्नांकित करते हैं, तो उसका मूल्यांकन नहीं होगा ।
6. अन्दर दिये गये निर्देशों को ध्यानपूर्वक पढ़ें ।
7. कच्चा काम (Rough Work) इस पुस्तिका के अन्तिम पृष्ठ पर करें ।
8. यदि आप OMR पत्रक पर नियत स्थान के अलावा अपना नाम, रोल नम्बर, फोन नम्बर या कोई भी ऐसा चिह्न जिससे आपकी पहचान हो सके, अंकित करते हैं अथवा अभद्र भाषा का प्रयोग करते हैं, या कोई अन्य अनुचित साधन का प्रयोग करते हैं, जैसे कि अंकित किये गये उत्तर को मिटाना या सफेद स्याही से बदलना तो परीक्षा के लिये अयोग्य घोषित किये जा सकते हैं ।
9. आपको परीक्षा समाप्त होने पर प्रश्न-पुस्तिका एवं मूल OMR पत्रक निरीक्षक महोदय को लौटाना आवश्यक है और परीक्षा समाप्ति के बाद उसे अपने साथ परीक्षा भवन से बाहर न लेकर जायें । हालांकि आप परीक्षा समाप्ति पर मूल प्रश्न-पुस्तिका तथा OMR पत्रक की डुप्लीकेट प्रति अपने साथ ले जा सकते हैं ।
10. **केवल नीले/काले बाल प्वाईंट पेन का ही इस्तेमाल करें ।**
11. **किसी भी प्रकार का संगणक (कैलकुलेटर) या लाग टेबल आदि का प्रयोग वर्जित है ।**
12. **गलत उत्तरों के लिए कोई नकारात्मक अंक नहीं हैं ।**

Latest Sarkari Jobs, Govt Exam Results, Vacancies and updates on one click
Know More

PRAKRIT

प्राकृत

Paper – II

पण्हपत्तं – II

प्रश्नपत्र – II

Note : This paper contains **fifty (50)** objective type questions, each question carrying **two (2)** marks. **All** questions are compulsory.

नोट : इमम्मि पण्हपत्ते **पण्णासा (50)** बहु विकप्पियाणि पण्हाणि सन्ति । पत्तेगं पण्हं **दुवे (2)** अंकस्स अत्थि । **सव्वाणि** पण्हाणि कारियाणि त्ति ।

नोट : इस प्रश्नपत्र में **पचास (50)** बहु-विकल्पीय प्रश्न हैं । प्रत्येक प्रश्न के **दो (2)** अंक हैं । **सभी** प्रश्न अनिवार्य हैं ।

1. Teachings of Bhagawan Mahavira is compiled in this language :

भगवान महावीर के उपदेश इस भाषा में संकलित हैं :

(A) प्राकृत

(B) संस्कृत

(C) छांदस

(D) कन्नड

2. Actual meaning of the word 'प्राकृत' is

'प्राकृत' शब्द का वास्तविक अर्थ है

(A) वैदिक भाषा

(B) नवीन भाषा

(C) स्वाभाविक भाषा

(D) विदेशी भाषा

3. Shvetambara Jain Āgamas are in this language :

श्वेतांबर-जैनागमों की भाषा यह है

(A) अर्धमागधी

(B) पैशाची

(C) शौरसेनी

(D) अपभ्रंश

4. This statement is true :

यह कथन सत्य है :

(A) प्राकृत में केवल ऋ ॠ का प्रयोग होता है ।

(B) प्राकृत में ऋ ॠ ऌ ॡ का प्रयोग नहीं होता है ।

(C) प्राकृत में ऌ ॡ का प्रयोग होता है ।

(D) प्राकृत में केवल ऐ औ का प्रयोग होता है ।

5. This Prakrit document is considered as the oldest :

प्राकृत की यह लिखित सामग्री सबसे प्राचीन मानी जाती है :

(A) प्राकृत-चरित-ग्रंथ

(B) अपभ्रंश-ग्रंथ

(C) नाटक-ग्रंथ

(D) अशोक के अभिलेख

6. 'र' changing into 'ल' is the feature of this Prakrit :

'र' के स्थान पर 'ल' का परिवर्तन इस प्राकृत का लक्षण है :

(A) मागधी

(B) महाराष्ट्री

(C) शौरसेनी

(D) गौडी

Latest Sarkari Jobs, Govt Exam Results, Vacancies and updates on one click
Know More

7. In Prakrit, the final consonant 'म्' is changed into
प्राकृत में पदांत 'म्' के स्थान में होता है :
(A) अनुस्वार
(B) हलंत
(C) विसर्ग
(D) दीर्घ

8. Prakrit language belongs to this family of languages :
प्राकृत-भाषा इस भाषा-परिवार से संबद्ध है
(A) ग्रीक
(B) भारतीय-आर्यभाषा
(C) जर्मन
(D) द्राविड

9. Guṇāḍhya's 'Vaḍḍakahā' was written in this Prakrit
गुणाढ्य की 'वड्डकहा' इस प्राकृत में लिखित है
(A) महाराष्ट्री
(B) अर्धमागधी
(C) शौरसेनी
(D) पैशाची

10. The language of 'णायकुमार-चरिउ' is
'णायकुमार-चरिउ' की भाषा है
(A) पैशाची
(B) मागधी
(C) अर्धमागधी
(D) अपभ्रंश

11. The author of णायकुमार-चरिउ is
णायकुमार-चरिउ का लेखक है
(A) रइधू
(B) जोइंदु
(C) पुष्पदंत
(D) स्वयंभू

12. These are works of Acharya Nemichandra
आचार्य नेमिचंद्र द्वारा लिखित ग्रंथ है
(A) नियमसार, श्रावकाचार, रयणसार
(B) समयसार, योगसार, क्षपणसार
(C) गोम्मटसार, द्रव्यसंग्रह, लब्धिसार
(D) पंचास्तिकाय, बारसाणुवेक्ख, तिलोयपण्णत्ति

13. Read carefully the Unit – I and II for correct match :
सही मिलान के लिये प्रथम एवं द्वितीय इकाईयों को ध्यान से पढ़िये :

Unit – I	**Unit– II**
a. प्रश्नव्याकरणसूत्र	i. मुनिपद्मवंदि
b. नियमसार	ii. अंगआगमग्रन्थ
c. तरंगवतीकथा	iii. कुन्दकुन्द
d. धम्मरसायणं	iv. पादलिप्तसूरि

Identify the correct match from the following :
निम्नलिखित में से सही मिलान को पहिचानिये :
(A) d + i
(B) a + iv
(C) b + ii
(D) c + iii

14. The theme of an epic is found as
महाकाव्य की कथावस्तु यह पायी जाती है
(A) शृंगारिक
(B) नाट्यप्रधान
(C) इतिहास प्रसिद्ध
(D) काव्यतत्त्वविहीन

15. The author of गाहासत्तसई is
गाहासत्तसई के लेखक यह हैं
(A) वाक्पतिराज
(B) राजशेखर
(C) उद्योतनसूरी
(D) हाल

Latest Sarkari Jobs, Govt Exam Results, Vacancies and updates on one click
Know More

16. The hero of Kumarapala cariam is

कुमारपालचरितं का नायक है

(A) सातवाहन

(B) कुमारपाल

(C) चंद्रगुप्त

(D) समुद्रगुप्त

17. This is an epic

यह महाकाव्य है

(A) द्रव्यसंग्रह

(B) आचारांग

(C) सेतुबंध

(D) प्रवचनसार

18. This is a खण्डकाव्य

यह खण्डकाव्य है

(A) गाहासत्तसई

(B) वज्जालग्गं

(C) कर्पूरमंजरी

(D) कंसवहो

19. Dr. A.N. Upadhye edited this work :

डॉ. ए.एन. उपाध्ये ने इस ग्रंथ का संपादन किया है :

(A) प्रवचनसार

(B) समराइच्चकहा

(C) द्रव्यसंग्रह

(D) सम्मइसुत्तं

20. These are the narrative works of Prakrit

प्राकृत के कथाग्रंथ ये हैं

(A) मूलाचार, अष्टपाहुड, कसायपाहुड

(B) कसायपाहुड, द्रव्यसंग्रह, समयसार

(C) निर्वाणकाण्ड, वज्जालग्गं, धम्मरसायणं

(D) कहारयणकोस, वसुदेवहिण्डि, समराइच्चकहा

21. The subject matter of Kavidarpaṇa is

कविदर्पण का मुख्य विषय है

(A) कोष

(B) छन्द

(C) अलंकार

(D) व्याकरण

22. The name of the author of वृत्तजाति-समुच्चय is

वृत्तजातिसमुच्चय के कर्ता का नाम है

(A) वररुचि

(B) पिङ्गल

(C) भोज

(D) विरहांक

23. This type of Prākrit has been used mostly in the Karpūrmañjarī

कर्पूरमंजरी में मुख्यत: इस प्राकृत का प्रयोग हुआ है

(A) पैशाची प्राकृत

(B) महाराष्ट्री प्राकृत

(C) शौरसेनी प्राकृत

(D) मागधी प्राकृत

24. The author of the Ānandasundarī Sattaka is

आनन्दसुन्दरी सट्टक के लेखक हैं

(A) घनश्याम

(B) राजशेखर

(C) रामपाणिवाद

(D) हस्तिमल्ल

Latest Sarkari Jobs, Govt Exam Results, Vacancies and updates on one click
Know More

25. Acārya Hemachandra is the author of
आचार्य हेमचन्द्र इस ग्रन्थ के लेखक हैं
(A) नाममाला
(B) देशीनाममाला
(C) अमरकोश
(D) विश्वलोचनकोश

26. वृत्तजातिसमुच्चय is divided into chapters by the term
वृत्तजातिसमुच्चय के अध्यायों का विभाजन इस नाम से हुआ है
(A) अध्याय
(B) नियम
(C) पर्व
(D) परिवर्त

27. Śauraseṇī Prākrit in Sanskrit Dramas is spoken by
संस्कृत नाटकों में यह पात्र शौरसेनी प्राकृत बोलता है
(A) विदूषक
(B) धीवर
(C) राजा
(D) विट

28. Śākārī Prākrit is used in this text
शाकारी प्राकृत इस ग्रन्थ में प्रयुक्त हुई है
(A) कर्पूरमंजरी
(B) मुद्राराक्षस
(C) अभिज्ञानशाकुन्तलं
(D) मृच्छकटिकं

29. The script of Aśokana inscriptions of Girnar is
अशोक के गिरनार से प्राप्त शिलालेखों की लिपि है
(A) ब्राह्मी
(B) शारदा
(C) देवनागरी
(D) द्राविडी

30. The word 'Pāsaṇḍa' is used for sect in this inscription
इस शिलालेख में सम्प्रदाय के अर्थ में 'पासंड' शब्द प्रयुक्त हुआ है
(A) घटियाल शिलालेख
(B) हाथीगुंफा शिलालेख
(C) गिरनार शिलालेख
(D) मथुरा अभिलेख

31. The inscription of King Khārabela is also known as
सम्राट खारवेल का शिलालेख इस रूप में भी जाना जाता है
(A) बडली शिलालेख
(B) जूनागढ़ शिलालेख
(C) हाथीगुंफा शिलालेख
(D) मथुरा अभिलेख

32. The main language used in Girnāra inscriptions of Aśoka is
अशोक के गिरनार शिलालेखों में प्रयुक्त यह भाषा प्रमुख है
(A) संस्कृत
(B) अपभ्रंश
(C) तमिल
(D) प्राकृत

33. The meaning of the word 'Sāhuliā' used in this sentence is
'तहिं गच्छ जहिं मे पढम-साहुलिआ गदा'
उक्त पंक्ति में प्रयुक्त 'साहुलिआ' शब्द का अर्थ है
(A) दन्तावली
(B) चन्द्रमा
(C) साड़ी
(D) कर्ण

Latest Sarkari Jobs, Govt Exam Results, Vacancies and updates on one click
Know More

34. 'विशमा इंदियचोला हलन्ति चिलशंचिदं धम्मं'
This statement is given by in Mṛacchakaṭikaṃ
मृच्छकटिकं में यह कथन इनके द्वारा किया गया है
(A) चेट
(B) भिक्षु
(C) विदूषक
(D) शकार

35. This vowel does not occur in Prakrit
यह स्वर प्राकृत में नहीं होता है
(A) आ
(B) ई
(C) औ
(D) ओ

36. The example of Sandhi used in a single word in Prakrit is
प्राकृत में एक पद में सन्धि होने का उदाहरण है
(A) काही
(B) जोइदुं
(C) राउलं
(D) राअइ

37. Changing of intervocalic 'ṭ' in Prakrit is
प्राकृत में स्वर मध्यवर्ती 'ट' का परिवर्तन इस प्रकार होता है ।
(A) त
(B) ट
(C) ड
(D) ल

38. This is an example of cerebralisation
यह मूर्धन्यीकरण का उदाहरण है
(A) सरलं
(B) करणिज्जं
(C) णडो
(D) वट्टइ

39. Nominative singular of a-stem becomes
अकारान्त शब्द का प्रथमा एकवचन में यह रूप होता है
(A) आ
(B) उ
(C) ओ
(D) इ

40. Instrumental singular of 'mālā' is this
'माला' शब्द का तृतीय एकवचन में यह रूप होता है
(A) माले
(B) मालासुंतो
(C) मालं
(D) मालाए

41. This is not a metre of Prakrit
यह प्राकृत छन्द नहीं है
(A) जगती
(B) गाहा
(C) उग्गाहा
(D) पज्झटिका

42. 'वृत्तजातिसमुच्चय' is a text of this kind
'वृत्तजातिसमुच्चय' इस विधा का ग्रन्थ है
(A) काव्य
(B) ज्योतिष
(C) छन्द
(D) व्याकरण

43. Jñādhikara is a part of the
ज्ञानाधिकार इस ग्रन्थ का अध्याय है
(A) पवयणसारो
(B) उत्तरज्झयणं
(C) दव्वसंगहो
(D) सम्मइसुत्तं

Latest Sarkari Jobs, Govt Exam Results, Vacancies and updates on one click
Know More

44. The nature of 'Davvaṃ' is

द्रव्य की स्वाभाविक विशेषता है

(A) धुवत्त मात्र

(B) वयत्त मात्र

(C) उप्पादत्त मात्र

(D) उप्पादव्वयधुवत्तसंजुत्तं

45. Read the following statements :

निम्नांकित कथनों को पढ़िये :

(i) प्राकृत भाषा के भेदों में निया प्राकृत भी हैं ।

(ii) प्राकृत में दो भिन्न स्वरों की सन्धि नहीं होती ।

(iii) प्राकृत में पदान्त म् का अनुस्वार हो जाता है ।

(iv) मागधी प्राकृत में र् का ल् होता है ।

Identify the correct group of answer :

सही उत्तरों के समूह को चिह्नित कीजिए :

(A) (i) + (ii)

(B) (ii) + (iii)

(C) (iv) + (ii)

(D) (i) + (iii) + (iv)

46. 'Vajjalaggaṃ' text is known as

'वज्जालग्गं' इस प्रकार का काव्य ग्रन्थ है

(A) चरितकाव्य

(B) मुक्तककाव्य

(C) चम्पूकाव्य

(D) कथाकाव्य

47. Kāladavva is called

कालद्रव्य को कहा गया है

(A) अत्थिकायो

(B) बहुपदेसी

(C) अणत्थिकायो

(D) मुत्तिकायो

48. The Gāthā "Jīvo uvaogamao amuttikattā Sadehaparimāno" occurs in the

"जीवो उवओगमओ अमुत्तिकत्ता सदेहपरिमाणो" यह गाथांश इस ग्रन्थ में मिलती है

(A) आयारंगो

(B) सम्मइसुत्तं

(C) दव्वसंगहो

(D) पवयणसारो

49. This is also the meaning of the word 'Dahamuhassavahaṃ' used in Setubandha :

सेतुबन्ध में प्रयुक्त 'दहमुहस्सवहं' पद का एक अर्थ यह भी है

(A) रावण का मुख

(B) दुखों को दूर करने वाला

(C) मोक्ष का कथन करने वाला

(D) सेतुबन्ध

50. The meaning of the word 'Gao ghaṇasamao' used in the Setubandha is

सेतुबन्ध में प्रयुक्त 'गओ घणसमओ' का अर्थ है

(A) वर्षाकाल बीत गया

(B) अधिक समय हो गया

(C) वह समर्थ हो गया

(D) सेना समूह चला गया

Latest Sarkari Jobs, Govt Exam Results, Vacancies and updates on one click
Know More

prepp

Latest Sarkari jobs, Govt Exam alerts, Results and Vacancies

- Latest News and Notification
- Exam Paper Analysis
- Topic-wise weightage
- Previous Year Papers with Answer Key
- Preparation Strategy & Subject-wise Books

To know more **Click Here**

www.prepp.in